Self Respect

08-07-2014

✓मीठे-मीठे रूहानी बच्चे कहाँ बैठे हैं? गॉडली स्प्रीचुअल यूनिवर्सिटी में | बच्चों को यह भी पता है कि हर 5 हज़ार वर्ष बाद हम इस युनिवर्सिटी में दाखिल होते हैं | यह भी तुम बच्चे जानते हो – बाप, बाप भी है, टीचर भी है, गुरु भी है | वैसे गुरु की मूर्ति अलग, बाप की अलग, टीचर की अलग होती है | यह मूर्ति एक ही है |

✓भारत में वा इस दुनिया में कितने शास्त्र, कितनी पढ़ाई की पुस्तकें हैं, यह सब ख़त्म हो जायेंगे | बाप तुमको यह जो सौगात देते हैं, वह कभी जलने वाली नहीं है | यह है धारण करने की | जो काम की चीज़ नहीं होती उसको जलाया जाता है | ज्ञान कोई शास्त्र नहीं जो जलाया जाए | तुमको नॉलेज मिलती है, जिससे तुम 21 जन्म पद पाते हो |

✓भगवान् पढ़ाते हैं, भगवान् भगवती बनाने! भगवानुवाच – मैं तुमको राजाओं का राजा बनाता हूँ |

✓कलष तो माताओं को मिलता है | गोया राधे के बहुत जन्मों के अन्त में उनको कलष मिलता है | यह राज़ भी बाप ही समझा सकते हैं और कोई मनुष्य मात्र जानते नहीं |

✓अभी तुम सयाने बने हो | आगे तुमको कुछ भी पता नहीं था | अभी यह पुरानी दुनिया कितनी गन्दी है, तुम फील करते हो बाबा जो कहते हैं वह तो बरोबर ठीक है |

✓इस संगमयुग का किसको भी पता नहीं है, तुम जानते हो यह पुरुषोतम संगम युग है | मनुष्य शिव जयन्ती भी मनाते हैं परन्तु वह कब आये, क्या किया यह जानते नहीं |

✓वरदान: देह-भान से न्यारे बन परमात्म प्यार का अनुभव करने वाले कमल आसनधारी भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |